भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 27
उत्तर देने की तारीख : गुरूवार, 29 जनवरी, 2026
9 माघ, 1947 (शक)

उत्तराखंड में सांस्कृतिक विरासत स्थलों का रखरखाव

27. **श्री महेंद्र भट्टः**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तराखंड में कितने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों का चयन किया गया है;
(ख) राज्य में यह विरासत स्थल कहां पर हैं और इनके रख-रखाव पर केंद्र सरकार द्वारा कितनी राशि व्यय की गई है;
(ग) क्या सरकार उन स्थलों का नवीनीकरण करने का विचार रखती है जो जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं;
(घ) क्या सरकार ने इसके लिए कोई कार्य योजना तैयार की है; और
(ङ) यदि हाँ, तो इसकी रूपरेखा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): उत्तराखंड राज्य में 43 प्राचीन स्मारकों और पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों को राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित किया गया है।

(ख): उत्तराखंड राज्य में इन राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और क्षेत्रों (स्थलों) का स्थान-वार ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है। इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों के दौरान इनके संरक्षण और अनुरक्षण पर खर्च की गई राशि नीचे दी गई है:

वर्ष	**व्यय (करोड़ रु. में)**
2022-23	4.85
2023-24	5.42
2024-25	5.10

(ग): कोई भी संरक्षित स्मारक और क्षेत्र जर्जर स्थिति में नहीं है।

तथापि, संरक्षित स्मारकों और क्षेत्रों का संरक्षण और अनुरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय संरक्षण नीति का अनुपालन करते हुए, निधि और संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, उनकी आवश्यकता के अनुसार किया जाता है, जो कि एक सतत् प्रक्रिया है।

(घ) और **(ड.) :** प्रश्न नहीं उठता।

अनुबंध

राज्य सभा में दिनांक 29.01.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 27 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।

उत्तराखंड राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत संरक्षित स्मारकों और क्षेत्रों (स्थलों) का स्थान-वार ब्यौरा।

क्र.सं.	**स्मारक /स्थल का नाम**	**शहर**
1.	गुजरदेव मंदिर	द्वारहाट
2.	बद्रीनाथ मंदिर समूह	द्वारहाट
3.	बनदेव मंदिर	द्वारहाट
4.	कचेरी मंदिर समूह	द्वारहाट
5.	मनियां मंदिर समूह	द्वारहाट
6.	मृत्युंजय समूह	द्वारहाट
7.	रतन देव मंदिर	द्वारहाट
8.	सूर्य मंदिर	कटारमल
9.	दंडेश्वर मंदिर	कोटुली और चंडोक गुंठ (जागेश्वर)
10.	चांदी का मंदिर	फुलई गुंठ ,जागेश्वर
11.	जागेश्वर मंदिर	फुलई गूंठ, जागेश्वर
12.	कुबेर मंदिर	फुलई गूंठ, जागेश्वर
13.	मृत्युंजय मंदिर	फुलई गूंठ, जागेश्वर
14.	नंदा देवी या नौ दुर्गा	फुलई गूंठ, जागेश्वर
15.	नवग्रह मंदिर	फुलई गूंठ, जागेश्वर
16.	पिरामिड मंदिर	फुलई गूंठ, जागेश्वर
17.	सूर्य को समर्पित मंदिर	फुलई गुंठ ,जागेश्वर
18.	प्राचीन नौला	स्यूनराकोट
19.	पुराने मंदिरों का समूह ,जिसमें शिव का मुख्य मंदिर और 17छोटे मंदिर हैं।	बैजनाथ या वैद्यनाथ
20.	इंडो-आर्यन शिकारा प्रकार के तीन मंदिर जिन्हें लक्ष्मी के नाम से जाना जाता है नारायण ,राक्षस देवल और सत्या नारायण।	तल्ली हाट, माउंड कत्यूर
21.	सोलह मंदिरों के अवशेष	आदिबद्री
22.	किला जिसके अंदर दीवारें और रहने के घर के खंडहर हैं और सीढ़ियों की लाइनें हैं।	चांदपुर
23.	लोहे का त्रिशूल ,जिसके शाफ्ट पर एक पुराना और तीन नए नाम	गोपेश्वर

क्र.सं.	स्मारक /स्थल का नाम	शहर
	लिखे हैं।	
24.	रुद्रनाथ मंदिर	गोपेश्वर
25.	दो मंदिर	पांडुकेश्वर
26.	सर्वेक्षण प्लॉट संख्या 89 में उत्कीर्ण शिलालेख	ग्राम मंडल,
27.	बालेश्वर मंदिरों का समूह	चम्पावत
28.	कोटवाली चबूतरा	चम्पावत
29.	बालेश्वर मंदिर से जुड़ा नौला या ढका हुआ झरना	चम्पावत
30.	महासू का पवित्र मंदिर	हनोल
31.	पुरातात्विक स्थल और अवशेष ,अश्वमेध यज्ञ संख्या 1, 2 और 3	जगतराम गांव, एन फील्ड चाय कंपनी जंगल और डुमेट (बढ़वाला)
32.	अशोक के उत्कीर्ण शिलालेख	कलसी
33.	कलिंग स्मारक	करनपुर
34.	मंदिर और उसके आस-पास की मूर्तियाँ	लाखा मंडल
35.	पुरातात्विक स्थल और अवशेष	वीरपुरखुर्द ,वीरभद्र
36.	पुराना कब्रिस्तान	शेखपुरी और गणेशपुर (रुड़की)
37.	वैराटपट्टन से जुड़ी पुरानी इमारतों के अवशेष	ढिकुली
38.	सीता को समर्पित पुराना मंदिर	सीताबनी
39.	पाताल भुवनेश्वर गुफाएँ	गंगोलीहाट
40.	कुछ पुराने मंदिरों के अवशेष और एक खुदा हुआ चिनाई वाला कुआँ	गंगोलीहाट
41.	विष्णु मंदिर	कोटाली
42.	द्रोणासागर में खुदाई स्थल	मौजा उज्जैन काशीपुर
43.	खुदाई स्थल और अवशेष	गाँव खावली सेरा, पुरोला

*****